भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †119

सोमवार, 25 नवम्बर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

गढ़मुक्तेश्वर में पर्यटन का विकास

†119. श्री कंवर सिंह तंवर:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का देश में पवित्र गंगा नदी के तट पर विशेष रूप से अमृत काल के दौरान गढ़मुक्तेश्वर में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार ने भारत के ऐसे पवित्र स्थलों पर आने वाले घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए हैं;

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश के गढ़मुक्तेश्वर में विशेष रूप से गंगा नदी के किनारे विभिन्न घाटों पर पर्यटन के विकास हेतु आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या ऐसे विभिन्न स्थानों पर पर्यटन क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए रेल नेटवर्क और अन्य अवसंरचनाओं में सुधार की आवश्यकता है; और

(च) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और ऐसे स्थानों पर रेल नेटवर्क और अन्य अवसंरचनाओं में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (च): पर्यटन मंत्रालय घरेलू और महत्वपूर्ण वैश्विक बाजारों में समग्र तरीके से पवित्र गंगा के तट पर स्थित गंतव्यों सहित देश के पर्यटन गंतव्यों का संवर्धन करता है। देश में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और धार्मिक स्थलों की यात्रा सहित देश के भीतर और देश की यात्रा को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित पहलें की गई हैं:-

- पर्यटन मंत्रालय भारत के आध्यात्मिक गंतव्यों सहित वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न बाजारों में एक समग्र गंतव्य के रूप में भारत का संवर्धन करता है। इन उद्देश्यों को एक एकीकृत विपणन और संवर्धनात्मक कार्यनीति तथा यात्रा व्यापार, राज्य सरकारों और विदेश स्थित भारतीय मिशनों के सहयोग से सहक्रियात्मक अभियान के माध्यम से पूरा किया जाता है। सरकार

नियमित रुप से उद्योग के विशेषज्ञों और अन्य संबंधित हितधारकों के साथ जुड़ी हुई है और भारत के विभिन्न पर्यटन उत्पादों के संवर्धन के लिए उनके सुझाव और प्रतिक्रिया लेती है।

- पर्यटन मंत्रालय ने संशोधित अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल (www.incredibleindia.gov.in) पर अतुल्य भारत कंटेंट हब लॉन्च किया है। अतुल्य भारत कंटेंट हब उच्च गुणवत्ता वाली छवियों, फिल्मों, ब्रोशर और समाचार पत्रों का एक व्यापक डिजिटल भंडार है, जिसे दुनिया भर में उद्योग के हितधारकों (ट्रैवल मीडिया, टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट) द्वारा आसानी से देखा जा सकता है और जो उनके सभी विपणन और प्रचार संबंधी प्रयासों में अतुल्य भारत के संवर्धन के लिए आवश्यक है। नए रुप में अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल का लक्ष्य एक पर्यटक केंद्रित, वन-स्टॉप डिजिटल समाधान प्रदान करना है जिसे भारत आने वाले अतिथियों के यात्रा अनुभव को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' की योजनाओं के तहत देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इन योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं में आध्यात्मिक गंतव्य और घाटों के विकास और सौंदर्यीकरण के घटक भी शामिल किए गए हैं।
- पर्यटन मंत्रालय मेलों/महोत्सवों और पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता रहा है। इस योजना के तहत गंगा महोत्सव, वाराणसी; दीपोत्सव, अयोध्या और सोनपुर मेला, बिहार जैसे कार्यक्रमों के लिए सहायता प्रदान की गई है।
- मंत्रालय बेहतर गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के लिए जनशक्ति को प्रशिक्षित और उन्नत करने हेतु सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी) योजना के तहत कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।
- देश भर के पर्यटन स्थलों पर स्थानीय और प्रशिक्षित पेशेवरों का एक समूह उपलब्ध कराकर पर्यटकों के समग्र अनुभव को बढ़ाने के लिए, मंत्रालय ने अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम - एक अखिल भारतीय ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।
- ई-वीजा सुविधा की शुरुआत भारत वीजा व्यवस्था को उदार और सरल बनाने के लिए उठाए गए सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। वर्तमान में 31 चिह्नित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों और 06 प्रमुख बंदरगाहों के माध्यम से 167 देशों के नागरिकों के लिए प्रवेश हेतु ई-वीजा की सुविधा उपलब्ध है। ई-वीजा वर्तमान में नौ

उप-श्रेणियों के तहत उपलब्ध है। ई-वीजा की प्रोसेसिंग पूर्ण रुप से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर होती है।

उत्तर प्रदेश राज्य में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

चिह्नित किए गए गंतव्यों पर परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा तैयार किए जाते हैं। परियोजनाओं की समीक्षा और स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है और यह योजना दिशा-निर्देशों में निर्धारित प्रक्रियाओं और अपेक्षाओं के अनुसार की जाती है।

भारतीय रेल ने रेल नेटवर्क और अन्य अवसंरचनाओं में सुधार के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिनकी रूपरेखा नीचे दी गई है:

i) रेल अवसंरचना परियोजनाएं लाभप्रदता, अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकीर्ण/जीर्ण लाइनों में सुधार, सामाजिक-आर्थिक कारकों, पर्यटक और सांस्कृतिक स्थलों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाने आदि के आधार पर शुरू की जाती हैं जो चालू परियोजनाओं की देयताओं, निधियों की समग्र उपलब्धता और आवश्यक मांगों पर आधारित होती हैं । दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार भारतीय रेलवे में लगभग 7.44 लाख करोड़ रु. की लागत की कुल 44,488 किलोमीटर की लंबाई वाली 488 रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं (187 नई लाइन, 40 गॉज परिवर्तन और 261 दोहरीकरण) में से 12,045 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन को चालू किया गया है, जिस पर 2.92 लाख करोड़ रु. खर्च हुए हैं । संपूर्ण भारतीय रेल की अवसंरचनाओं का संवर्धन करना एक सतत प्रक्रिया है।

ii) रेल मंत्रालय ने हाल ही में भारतीय रेलवे में रेल स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर सुविधाओं, जैसे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकतानुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म सरफेसिंग और प्लेटफॉर्म पर कवर, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि में सुधार के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका कार्यान्वयन शामिल है। भारतीय रेल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अब तक 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है।

iii) राष्ट्रीय रेल योजना (एनआरपी) के तहत, भारत में लगभग 243 पर्यटन स्थलों को चिह्नित किया गया था। इनमें से 111 स्थल पहले से ही मौजूदा रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं, जिसमें 30 पर्यटन स्थल निकटतम रेलवे स्टेशन से 10 किमी की दूरी पर और 30 स्थल 15 किमी की दूरी पर हैं। शेष 72 स्थान मुख्यत: वन्यजीव अभयारण्य, समुद्र तट और पर्वतीय भू-भाग में स्थित क्षेत्र हैं, जहां रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना या तो उपयुक्त नहीं है या मुश्किल है।

इसके अलावा, पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने की दृष्टि से, रेल मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय द्वारा 22 रेलवे स्टेशनों पर पर्यटक सुविधाओं के संयुक्त विकास हेतु परियोजनाओं को साझा लागत के आधार पर मंजूरी दी गई थी।

****

अनुबंध

श्री कंवर सिंह तंवर द्वारा गढ़मुक्तेश्वर में पर्यटन का विकास के संबंध में दिनांक 25.11.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †119 के भाग (क) से (च) के उत्तर में **विवरण**

उत्तर प्रदेश राज्य में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

स्वदेश दर्शन योजना **(करोड़ रु. में)**

क्र. सं.	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई राशि**	**उपयोग की गई राशि***
1.	बौद्ध परिपथ 2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89	72.56	68.43
2.	रामायण परिपथ 2016-17	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45	64.09	56.03
3.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	अहर-अलीगढ़-कासगंज-सरोसी (उन्नाव)-प्रतापगढ़-कौशांबी-मिर्जापुर-गोरखपुर-डुमरियागंज-बस्ती-बाराबंकी-आजमगढ़-कैराना-बागपत-शाहजहांपुर का विकास	71.91	69.63	69.63
4.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	बिजनौर-मेरठ-कानपुर-कानपुर देहात-बांदा-गाजीपुर-सलेमपुर-घोसी-बलिया-अंबेडकरनगर-अलीगढ़-फतेहपुर- देवरिया-महोबा-सोनभद्र- चंदौली- मिश्रिख-भदोही का विकास	67.51	64.14	63.62
5.	हेरिटेज परिपथ 2016-17	कालिंजर किला (बांदा) - मगहर धाम (संत कबीर नगर) - चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुअर शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	36.65	32.27	36.65
6.	रामायण परिपथ 2017-18	अयोध्या का विकास	127.21	115.46	113.22

7.	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	जेवर-दादरी-सिकंदराबाद-नोएडा-खुर्जा-बांदा का विकास	12.03	11.43	11.69
8.	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	18.30	18.12	18.12

* केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के लिए टीएसए मॉडल I के माध्यम से सीएनए के प्राधिकार की राशि शामिल है।

स्वदेश दर्शन 2.0 योजना

क्र.सं.	**गंतव्य**	**अनुभव का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रू.)**
1	प्रयागराज	आजाद पार्क और देखो प्रयागराज ट्रेल एक्सप्रेस	13.02
2	नैमिषारण्य	वैदिक- कल्याण का अनुभव	15.94

<u>प्रशाद योजना</u> **(करोड़ रुपए में)**

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत लागत**
1.	वाराणसी चरण-I का विकास	2015-16	18.73
2.	मथुरा-वृंदावन मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में (चरण-II) का विकास	2014-15	10.98
3.	वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02
4.	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36
5.	वाराणसी चरण-II का विकास	2017-18	44.60
6.	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59

<u>पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता योजना</u> **(करोड़ रु. में)**

क्र.सं.	**स्वीकृति तिथि**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1	28.02.2015	वाराणसी/सारनाथ (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकान का मकबरा और वाराणसी में मन महल) में स्मारकों का प्रदीप्तीकरण	5.12

2	21.12.2017	वाराणसी, उत्तर प्रदेश में तीन स्मारकों का प्रदीप्तीकरण 1. दशाश्वमेध घाट से दरभंगा घाट (300 मीटर का विस्तार) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय	2.93

****